हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–98 : जौनपुर, गुरुवार 02 जून 2022 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

यूपी में फिल्म सम्राट पृथ्वीराज टैक्स फ्री : लोगों को जागरूक करने वाली फिल्म –मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ ब्यूरो : यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के लोकभवन में फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' देखने के बाद इसे टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह भारत के इतिहास से लोगों को जागरूक करने वाली फिल्म है। पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर फिल्माई गई इस फिल्म को मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रियों समेत लोकभवन ऑडिटोरियम में देखा। मुख्यमंत्री योगी ने मुक्त कंठ से इस फिल्म की प्रशंसा की और कहा कि यह फिल्म केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि इतिहास का भी आईना है। राष्ट्र निर्माण के लिए इस तरह की फिल्मों का बनना बहुत जरूरी है। अक्षय कुमार ने भी सभी का आभार जताया और कहा कि आपने (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) जिस मन से इस फिल्म को देखा उसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। अक्षय कुमार ने कहा कि समय–समय पर बॉलीवुड में फिल्मों का फ्लेवर बदलता रहता है। इस समय राष्ट्रभक्ति की फिल्मों का फ्लेवर चल रहा है। अभी ऐसे और भी प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। उन्होंने यूपी में फिल्म को टैक्स फ्री करने पर सीएम योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। फिल्म के डायरेक्टर चंद्रप्रकाश

द्विवेदी ने भी कहा कि वर्ष 2014 के बाद से वह लगातार इस तरह के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं और यह फिल्म बहुत अच्छी बनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह फिल्म हमारे इतिहास का झरोखा है। इसमें उत्तर प्रदेश के कई स्थानों का वर्णन है। उन्होंने खासतौर से कन्नौज का जिक्र किया और चुटकी भी ली कहा कि कन्नौज इत्र और गोबर अब दोनों के लिए जाना जा रहा है। फिल्म में कन्नौज का भी महत्वपूर्ण जिक्र है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उनकी कैबिनेट के अन्य मंत्री, अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री मानुषी छिल्लर और डायरेक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी भी मौजूद रहे।

स्वाभिमान खातिर जिन्हें खानी पड़ी थी दो जून की घास की रोटियां : अन्ना

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विकास खंड मछलीशहर की ग्राम पंचायत बामी के भूतपूर्व ग्राम प्रधान स्वर्गीय रामबहादुर सिंह की स्मृति में निर्मित महाराणा प्रताप प्रवेशद्वार पर वृहस्पतिवार को महाराणा प्रताप की 482 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के आरंभ में राष्ट्रीय गौरव रत्न सम्मान प्राप्त समाजसेवी जज सिंह अन्ना ने महाराणा प्रताप की विशाल मूर्ति पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलित करके मूर्ति की आरती उतारी। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप अमर रहें के नारे लगाये। उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए जज सिंह अन्ना ने कहा कि महाराणा प्रताप ने राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया जिसके चलते उनका जीवन संघर्षों से जूझता रहा। अपने जीवन के कठिन दिनों में राजा होते हुये भी जंगल में उन्हें दो जून की रोटी भी घास की ही नसीब होती थी। उनके समकालीन राजपूत राजा राष्ट्र के स्वाभिमान से समझौता कर मुगल दरबार में छप्पन भोग का आनंद लेते थे। लेकिन उन राजपूत राजाओं का सम्मान आज महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक और हाथी रामप्रसाद से भी कम है। कहा जाता है कि उनके हाथी रामप्रसाद ने हल्दीघाटी के युद्ध में अकेले 13 हाथियों को मार डाला था। जब मुगल सेना ने 14 महावतों की मदद से रामप्रसाद को बन्दी बना लिया तो उसने स्वामिभक्ति के चलते 18 दिनों तक मुगल सेना द्वारा दिया कोई भोजन ग्रहण नहीं किया और अपने प्राण त्याग दिए।उसकी मृत्यु पर अकबर ने कहा था कि ''जिसके हाथी को

मैं नहीं झुका पाया उस महाराणा प्रताप को मैं क्या झुका पाऊंगा ?''आपको बताते चलें कि अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार महाराणा प्रताप की जयंती 9 मई को पड़ती है किन्तु हिन्दू पंचांग के अनुसार उनकी जयंती ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को पड़ती है ।राजस्थान सहित ज्यादातर राज्यों में हिन्दू पंचांग के अनुसार ही उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष यह दो जून को है, रिजर्व बैंक ने हरियाणा,हिमांचल प्रदेश एवं राजस्थान में बैंकों में महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में 2 जून को ही स्थानीय अवकाश घोषित कर रखा है। हल्दी घाटी में आज ही मेले का आयोजन किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में प्रधान पति शैलेंद्र सिंह के अलावा प्रसिद्ध नारायण सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, वीरेन्द्र सिंह, विनोद सिंह, राजनाथ यादव,झारी प्रजापति,मुन्ना गौतम,उमहा गौड़ सहित भारी संख्या में क्षेत्र के युवा मौजूद रहें।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने नगर के ओलन्दगंज मोहल्ले में साफ–सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने नगर के ओलन्दगंज मोहल्ले में साफ–सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। राज्यमन्त्री ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही के लिए मौके पर उपस्थित नगर पालिका परिषद

के अधिशासी अधिकारी सन्तोष मिश्रा व सफाई इस्पेक्टर हरिश्चंद्र यादव को कड़ी फटकार लगाई। राज्यमंत्री ने कहा बरसात के मौसम को देखते हुए नगर छोटे बड़े सभी नाला व नालियों शीध्र सफाई करने का निर्देश दिया और सफाई व्यवस्था में लापरवाही करने वालो के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष दक्षिणी अमित श्रीवास्तव , राजेश गुप्ता , सभासद सतीश सिंह त्यागी, सभासद बसन्त प्रजापति , आलोक मिश्रा बुल्ली, सतेन्द्र सिंह मुन्ना , महेद्र सोनकर , संदीप जयसवाल , डॉ रोहित सिंह , रिंकू मौर्य , ओपी सिंह , मनोज तिवारी ,नगर उपाध्यक्ष राजेश कन्नौजिया , धर्मपाल कन्नौजिया, अभिषेक श्रीवास्तव , नगर मंत्री दीपक मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, आयुष अस्थाना, पवन मौर्या व अन्य प्रमुख कायकर्ता गण मौजूद रहे। उक्त आशय की जानकारी राज्यमन्त्री स्वतंत्र प्राभार के मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव 'सभासद' ने दी।

कोविड मरीज से 11.50 लाख रुपये वसूलने के आरोपी अस्पताल पर होगी एफआईआर

लखनऊ ब्यूरो : कोरोना संक्रमण के दौरान बिना कोविड दर्जा पाए संक्रमित मरीज का इलाज करने और उससे 11.50 लाख रुपये वसूलने के आरोप में अब एफआईआर दर्ज की जाएगी। सीडीओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने मड़ियांव स्थित एसएस हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। इस मामले में अस्पताल संचालक ने तीमारदार से 11.50 लाख रुपये वसूले थे, लेकिन कोई बिल नहीं दिया था। एसडीएम सदर की जांच में इसकी पुष्टि होने के बाद एफआईआर के निर्देश दिए गए हैं। सुल्तानपुर के शास्त्रीनगर निवासी वीरेंद्र सेन सिंह कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमित हो गए थे। जून 2021 में मड़ियांव स्थित एसएस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में उन्हें भर्ती कराया गया था। कोविड का दर्जा न होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने इलाज के नाम पर 11.50 लाख रुपये वसूल लिए। उन्होंने इसकी शिकायत तत्कालीन कोविड कमांड के प्रभारी सीडीओ से की। सीडीओ ने जांच की जिम्मेदारी एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी को दी। जांच के दौरान पाया गया कि शिकायतकर्ता ने अस्पताल संचालक को 10 लाख रुपये से ज्यादा रकम ऑनलाइन खाते में भेजी थी। अस्पताल संचालक ने केवल ढाई लाख

रुपये लेने की बात ही स्वीकारी थी। मरीज ने रुपये भेजने का सबूत एसडीएम को उपलब्ध कराया था। इसके अलावा बिना कोविड अस्पताल का दर्जा पाए संक्रमितों का इलाज करने, बीएएमएस चौथे वर्ष का छात्र होने के बावजूद खुद को डॉक्टर लिखने की बात भी जांच में सामने आई। निजी अस्पताल के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह का कहना है कि सीडीओ ने एसडीएम की जांच के आधार पर एसएस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संचालक डॉ. संदीप कुमार शर्मा को दोषी पाया है। इसलिए अस्पताल संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए मड़ियांव थाने में तहरीर दी गई है। अस्पताल के नवीनीकरण न करने का मुद्दा भी सामने आया है। इस मामले पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपड़ समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपड़ समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। वर्ष 2022–23 में जनपद का कुल 53 लाख 12 हजार 72 पेड़ लगाए जाने का लक्ष्य है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि वृक्ष प्रकृति का सौंदर्य होता है अतः वृक्षारोपण करने के साथ लगाए गए सभी पौधों की देखभाल करने की भी जिम्मेदारी हम सभी लोगों की है। वृक्षारोपण के इस अभियान में आम जनमानस को भी जोड़ा जाए, जिससे पौधों की देखभाल सुनिश्चित हो और पर्यावरण समृद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि जहां पर वृक्षारोपण किया जाए, संबंधित स्थानीय लोगों को ही पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी दी जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों ने अभी अपनी–अपनो कार्य योजना नहीं दी है तत्काल दे दे। जनपद को हरा–भरा किए जाने के सभी तरह के प्रयास किए जाए। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी एवं नेशनल हाईवे की सड़कों पर वृहद रूप से वृक्षारोपण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्य मुख्य सड़कें भी चिन्हित कर वृक्षारोपण किया जाए। इस बार गोमती घाट पर भी वृक्षारोपण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित की जाए जिसमें आंवला, सहजन, अमरूद आदि पौधे लगाई जाए लगाए। उपायुक्त मनरेगा भूपेंद्र सिंह को निर्देशित किया कि चारागाह के किनारे–किनारे वृक्ष लगाए जाए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राजेश कुमार को निर्देश दिया कि जनपद की 106 गो–आश्रय स्थलों में बरगद, पाकड़, पीपल जैसे छायादार वृक्ष लगवाए जाएं। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में भी वृहद वृक्षारोपण हो एवं गाँव के प्रवेश द्वार पर सजावटी वृक्ष, लाइटें, शाइनिंग बोर्ड, दिशा सूचक बोर्ड लगाया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया ब्लॉकों, थानों, सीएचसी व अन्य कार्यालयों में वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि नईगंज से लेकर प्रसाद तिराहे तक सजावटी व छायादार वृक्ष लगाया जाए एवं मॉडल चौराहा के रूप में विकसित किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग जौनपुर प्रवीण खरे, जिला उद्यान अधिकारी हरिशंकर राम, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर जौनपुर में हाई स्कूल पास छात्रों को नि:शुल्क प्रशिक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर जौनपुर में व्यवसाय विद्युत में कौशल विकास योजनान्तर्गत हाई स्कूल पास छात्रों का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है, प्रशिक्षण प्राप्त

करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी 05 जून 2022 तक राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर जौनपुर में प्रभारी कौशल विकास विश्राम प्रसाद अनुदेशक मो0नं0–6394841823 से सम्पर्क करें। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने दी है।

वजूखाने में मिले शिवलिंग को पूजने चार को जाएंगे ज्ञानवापी : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी ब्यूरो: शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के प्रतिनिधि शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को बड़ी घोषणा की। केदारघाट स्थित विद्यामठ में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि गुरु व शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के आदेश पर चार जून को वजूखाने में मिले शिवलिंग की पूजा के लिए हम ज्ञानवापी जाएंगे। जहां तक अनुमति होगी वहां तक जाकर भगवान शिव को राग–भोग व पूजन अर्पित करेंगे। जब भगवान शिव प्रकट हो गए हैं तो उनका पूजन–अर्चन, राग–भोग होना चाहिए। अपने आराध्य की पूजा के लिए न्यायालय के आदेश की प्रतीक्षा हम नहीं कर सकते हैं। मामला अभी अदालत में होने और वजूखाने की कड़ी सुरक्षा के बीच पूजन के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि धार्मिक मामलों में शंकराचार्य का आदेश सर्वोपरि है। उनके आदेश का पालन होगा। सनातन धर्मावलंबियों में खुशी का माहौल शनिवार को वह कब और कैसे मस्जिद परिसर में प्रवेश करेंगे इसकी जानकारी शुक्रवार को दी जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वैशाख पूर्णिमा पर सोमवार के दिन काशी में शताब्दियों से तिरोहित श्री विश्वेश्वर ज्योर्तिलिंग के पुनः प्रकट होने से पूरे देश के सनातन धर्मावलंबियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग प्रकट प्रभु के दर्शन पूजन के लिए उत्सुक हैं इसके लिए काशी की यात्रा करना चाहते हैं। शास्त्रों में प्रभु के प्रकट होते ही दर्शन करके उनकी स्तुति करने का, राग–भोग, पूजा–आरती कर भेंट चढ़ाने का नियम है। परंपरा को जानने वाले सनातनियों ने तत्काल स्तुति पूजा के लिए न्यायालय से अनुमति मांगी लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका। भगवान की पूजा और राग–भोग एक दिन भी रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय संविधान के अनुसार भी देवता तीन वर्ष के बालक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि शास्त्रों में तो यह बात बताई ही गई है कि देवता को एक दिन भी बिना पूजा के नहीं रहने देना चाहिए। भारत के संविधान में भी यह स्पष्ट रूप से उल्लिखित है कि कोई भी प्राण प्रतिष्ठित देवता तीन वर्ष के बालक के समकक्ष होते हैं। जिस प्रकार तीन वर्ष के बालक को बिना स्नान भोजन आदि के अकेले नहीं छोड़ा जा सकता उसी प्रकार देवता को भी राग भोग आदि उपचार पाने का संवैधानिक अधिकार है। शिवलिंग को फव्वारा बताकर वो कर रहे हिंदुओं का समर्थन स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि शास्त्रों में भगवान शिव के अतिरिक्त अन्य ऐसे कोई देवता नही है जिनके सिर से जलधारा निकलती हो। जो मनुष्य सनातन संस्कृति को न जानते, भगवान शिव के स्वरूप एवं उनके माहात्म्य को नहीं जानते वे किसी के सिर से पानी निकलते हुए देखकर उन्हें फव्वारा ही तो कहेंगे। मुस्लिम समाज के लोग भगवान शिव को न जानते हैं और न ही उनको मानते हैं। ऐसे में वे सभी अबोध हमारे भगवान शिव को फव्वारा कहकर स्वयं यह सिद्ध कर दे रहे हैं कि वे ही भगवान शिव हैं। हमने मुगलों की बनवाई इमारतों के अनेक फव्वारों को देखा पर एक भी शिवलिंग के आकार का नहीं मिला। काला कानून समाप्त करे केंद्र सरकार हमारे शास्त्रों में स्थाप्यं समाप्यं शनि भौमवारे अर्थात शनिवार को शुभ दिन कहा गया है। प्रकट हुए स्वयंभू आदि विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग भगवान के पूजन के लिए शनिवार का दिन अत्यन्त उत्तम है। अतः इस दिन शुभ मुहूर्त में हम स्वयं पूजा पद्धति को जानने वाले विद्वानों एवं पूजा सामग्री के साथ भगवान आदि विश्वेश्वर के पूजन के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय केंद्र की सरकार बहुमत में है।

थाना कोतवाली पुलिस ने दो अभियुक्तों को नशीला पाउडर के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक महोदय के नेतृत्व मे चौकी प्रभारी राज कालेज शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय मय हमराह के साथ मुखवीर की सूचना पर थाना स्थानीय के किला तिराहे के पास से दिलशाद पुत्र इसरार अहमद नि0 मीरमस्त थाना कोतवाली जौनपुर व मो0 शेखू पुत्र मो0 अहमद नि0 मुल्ला टोला थाना कोतवाली जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। तथा उनके पास से अलग दृअलग 100–100 नशीला पाउडर बरामद हुआ बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 144/22 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट बनाम1– दिलशाद पुत्र इसरार अहमद नि0 मीरमस्त थाना कोतवाली जौनपुर जौनपुर व मु0 अ0 सं0 145/22 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट बनाम मो0 शेखू पुत्र मो0 अहमद नि0 मुल्ला टोला थाना कोतवाली जौनपुर पंजीकृत कर अभियुक्तों को मा0 न्या0 रवाना किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्त व पंजीकृत अभियोग– 1.दिलशाद पुत्र इसरार अहमद नि0 मीरमस्त थाना

कोतवाली जौनपुर। 1.मु0अ0सं0 दृ 144/2022 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट थाना कोतवाली जौनपुर 2.मो0 शेखू पुत्र मो0 अहमद नि0 मुल्ला टोला थाना कोतवाली जौनपुर। 1. मु0अ0सं0 154/2022 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट थाना कोतवाली जौनपुर बरामदगी का विवरण– 100–100 ग्राम नशीला पाउडर गिरफ्तारी टीम– 1.उ0 नि0 शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय, थाना कोतवाली जौनपुर। 2.का0 पप्पू गौड, का0 प्रिन्स मौर्या, का0 अतुल शर्मा थाना कोतवाली जौनपुर।

तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी बनेंगे साक्षी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की मौजूदगी में होने वाली तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के 50 पदाधिकारी भी शामिल होंगे जिनमें विभिन्न ट्रेड से संबंधित व्यापारी होंगे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जीवन में सबसे बड़ी गलती वह होती है, जिस गलती से हम कुछ सीख नहीं पाते।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

निर्यात के क्षेत्र में पिछड़ता भारत

भारत निर्यात में कुछ इस कदर पिछड़ गया है कि उसका व्यापार घाटा 23 अरब डालर तक पहुंच चुका है जो अपने आप में एक कीर्तिमान है लेकिन यह एक ऐसा कीर्तिमान है जिससे देश का सिर झुक जाता है। इसके फलस्वरूप देश पर अतिरिक्त विदेशी दबाव बना है जिससे आर्थिक विशेषज्ञ दुखद करार देते हैं जिसे सहज स्वाभाविक एवं नितांत प्रत्याशित करार दिया जा रहा है। यदि बीते वर्ष नवंबर मास से बनी यह स्थिति आगे भी बरकरार रहती है तो इसके व्यापक एवं गहनता नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। वैसे ऐसे विशेषज्ञों की इस देश में कमी नहीं है जो इस बुनियादी समस्या पर वस्तु पर क्यों वैज्ञानिक चिंतन से कन्नी काटते पाए जाते हैं। ऐसे लोगों का कहना है कि यह कमी त्योहारी मौसम के चलते दर्ज हुई है जबकि वैज्ञानिक आर्थिक दृष्टि संपन्न विशेषज्ञों का मानना है कि इसके लिए भारतीय अर्थव्यवस्था में अंतर्निहित दोष मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। इधर तथाकथित विशेषज्ञ एवं विश्लेषकों का ऐसा तब का तीव्र गति से देश में विकसित हुआ है जो समस्याओं की गहराई में बैठने से कन्नी काटता फिरता है जबकि इससे मौजूद अकाउंट संतुलन लड़खड़ा सकता है और यदि यह स्थिति समय रहते ना सुधरी तो देश को गलत संदेश तथ्य ओम सत्य की परदादारी के रूप में जा सकता है। वैसे दिल को बहलाने के लिए ऐसे वैज्ञानिक विश्लेषक झूठ को सच के रूप में भी पेश करते हैं।

वैसे आर्थिक विशेषज्ञों का एक ऐसा तबका है जो इस विचारधारा का है कि करंट अकाउंट बैलेंस से यह उम्मीद के लोग भी करते हैं कि चालू अकाउंट बैलेंस जीडीपी की 1: डिफिसिट दर्ज कर सकता है जबकि स्थिति बदतर है। ऐसा वह वित्तीय वर्ष 2021 तथा 22 की अवधि को ध्यान में रखकर कहते जा रहे हैं। यदि विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत कुछ आंकड़ों को ध्यान में रखा जाए तो स्थिति एक सीमा तक स्पष्ट होती है लेकिन ऐसी सीमा अर्ध सत्य को ही रेखांकित कर पाती है। बीते वर्ष नवंबर में निर्यात वृद्धि गिरकर 26.5: आ गई जबकि इसके पहले वह 43.5: थी पूर्णविराम यदि निरपेक्ष स्तर पर तथ्यों को पेश किया जाए तो हम क्या पाते हैं यह समझ में आ जाता है। निर्यात वृद्धि उतर आई जबकि नवंबर से पहले अक्टूबर माह में यह 45.5: रही। इस प्रकार व्यवस्था द्वारा प्रस्तुत आंखों में भी निर्यात में जबरदस्त गिरावट दर्ज हो चुकी है। आर्थिक विशेषज्ञों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लैस तबकों को हम उपयुक्त नकारात्मक विकास क्रम अपरदन एवं व्यापक स्तर की चिंता इजहार करते हैं जबकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण ओं का परित्याग कर पाने में अनेक वस्तु परख कारणों से असमर्थ विशेषज्ञों एवं विश्लेषकों की हम तथ्य दीनता से चिपके रहते हैं। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि ऐसे वैज्ञानिक स्तर एवं श्रेणी के विशेषज्ञों की संख्या में इस दौर में काफी वृद्धि हुई है जो सत्य का दामन छोड़कर असत्य और अर्ध सत्य का दामन पकड़ने का स्पष्ट संकेत मुहैया कराता है। कुल मिलाकर ऐसे विशेषज्ञों एवं विश्लेषकों की संख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी है जो तथ्य एवं सत्य के व्यापक हित में बिल्कुल ही नहीं है। वैसे देश का आर्थिक इतिहास ऐसे दौर से पटा पड़ा है जो तथ्यों और उस पर आधारित निष्कर्षों की अवहेलना करते हैं। फिर भी ऐसे विशेषज्ञ तबके अब भी हमारे प्यारे देश में मौजूद हैं जो तथ्यों और उनकी रोशनी में बनाएं निष्कर्षों से कतई समझौता नहीं करते हैं। त्रासद सत्य है कि ऐसे तथ्यों एवं उन पर आधारित सत्य के उपासक विशेषज्ञों की संख्या में कमी का सिलसिला अनवरत जारी है। वैसे अपने आप में यह विकास क्रम आकस्मिक एवं अकारण कतई नहीं है जैसा कि अर्धसत्य आराधनक्कू द्वारा प्रचारित एवं प्रसारित कराया जा रहा है। तथ्य सत्य की अंतिम विजय और झूठ की पराजय नितांत अपरिहार्य है भले ही उसमें कितनी ही देरी क्यों ना हो। यह एक ऐसा वैज्ञानिक एवं वस्त्र सत्य है जिसे निकालने वाले तथाकथित विशेषज्ञों को एक ना एक दिन बेनकाब होना ही है।

यह एक ऐसा निष्कर्ष है जिसके साबित होने में देर तो हो सकती है लेकिन उसे देर सबेर साबित होना ही है। यह तथ्य और सत्य के विकास का वस्तु पर प्रयोग निष्कर्ष है जिसे निकालने वालों के पल्ले देर सबेर पराजय ही पड़ती है। यह एक ऐसा तथ्य आधारित ऐतिहासिक सत्य है जिसे निकालने वालों के पल्ले सिर्फ शर्म ही आती रही है। यह एक ऐतिहासिक एवं वस्तु परख सत्य है जिस को नजरअंदाज करने वाले विश्लेषक तब के समय समय अक्सर बेनकाब होते रहे हैं। ऐसा पश्चिम और पूर्व सभी देशों में पहले भी हुआ है और वर्तमान में भी हो रहा है। तथ्य ओम सत्य के इस ऐतिहासिक तेजस्वी स्वरूप से अवगत विशेषज्ञों का स्पष्ट अभिमत है कि भारत के निर्यात में हालिया तीव्रता गिरावट को गंभीरता से लिया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करना व्यापक योगदान राष्ट्र हित में है जबकि कथनी और करनी में इसके विपरीत कथन एवं निष्कर्ष असत्य होने के साथ व्यापक योगदान राष्ट्रीय हित में नहीं है। इस वस्तु परख निष्कर्ष से विशेषज्ञों का यह तबका पूरी तरह सहमत है जो वस्तु परख तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष कायम करता है। यह भी एक अपरिहार्य ओम वस्तु पर विश्लेषक भारतीय निर्यात में हालिया गिरावट को अत्यधिक महत्व देते रहे हैं। यदि इस नकारात्मक स्थिति में सकारात्मक लाने में विफलता को व्यापक राष्ट्रहित के विरुद्ध करार दिया जाना चाहिए इस तल्ख हकीकत की परदारी ना तो राष्ट्र हित में है ना ही सत्य हित में है। इस स्थिति में जितना शीघ्र गुणात्मक सुधार लाया जाए वह इतना नहीं देश हित एवं सत्य हित में होगा। वैसे दारुण रूप से दुखद तथ्य है कि अब तक इस मसले को जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए था उसके गंभीरता से उसे नहीं लिया जा रहा है। यह भयावह तरह आर्थिक त्रासदी की आमंत्रण है। इस आमंत्रण को अंजाम देने वालों को इतिहास कभी भी माफ नहीं करेगा। अभी से इस मुद्दे पर अतिरिक्त सक्रियता आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है। चेतन भारतीय को इस स्थिति को गुणात्मक रूप योग स्तर पर बदलने के लिए हर संभव प्रयास शुरू कर देना चाहिए।

लेखक –संजय शुक्ला ''पथिक'' (प्रख्यात स्तंभकार)

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य दीपक सिंह को मिला वर्ष 2022 का संसदीय उत्कृष्टता सम्मान

मृत्युन्जय प्रताप सिंहःलखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य दीपक सिंह को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता संघ,उत्तर प्रदेश द्वारा इस वर्ष का संसदीय उत्कृष्टता सम्मान 2022 गोमती नगर स्थित कार्यालय में प्रदान किया गया। दीपक सिंह को समाज सेवा ,विधान परिषद सदन में संसदीय परंपरा का निर्वाहन करने विधान परिषद सहित संपूर्ण राज्य के विभिन्न मुद्दों को सदन मे प्रभावी तरीके से रखने के लिए, सदन की गरिमा व मर्यादा का पालन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने ,सर्वाधिक मुद्दे उठाने और आपने विधायक के 6 वर्ष के संसदीय जीवन प्रभावी पूर्ण होने पर ये सम्मान प्रदान किया गया। दीपक सिंह द्वारा अपने कार्यकाल में संविधान द्वारा स्थापित विभिन्न नियमों के अंतर्गत लगभग 1500 से अधिक प्रश्न पूछे हैं। जिसमे 2 वर्ष का समय कोविड का रहा, इस दौरान सदन भी सुचारू रूप से नही चल सका। दीपक सिंह द्वारा प्रश्न पूछे और सक्रिय रूप में हिस्सा लिया। अपने सम्पूर्ण कार्यकाल में केवल 02 दिन सदन की कार्यवाही से अनुपस्थित रहे है। दीपक सिंह के द्वारा पूछे गए समस्त प्रश्न सामाजिक सरोकार एवं युवाओं से संबंधित हैं। जिसमे अधिकतर प्रश्नों पर सत्ता पक्ष द्वारा अमल भी किया गया। श्री सिंह द्वारा प्रश्नकाल के दौरान सदैव संवैधानिक नियमों के

अनुरूप ही प्रश्न पूछे गए। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता संघ के अध्यक्ष अजीत कुशवाहा ने कहा कि जब सदन का सदस्य समर्पित भाव प्रामाणिक पूरी तैयारी के साथ अपनी बात सदन में सटीक रूप से रखता है तब प्रतिभा का मूल्यांकन होता है। उन्होंने बताया कि श्री दीपक सिंह उच्च सदन विधान परिषद की विनीयमन समिति के सभापति भी है तथा सदन के अनेकों सत्रों में ध्यान आकर्षण, प्रश्न काल के माध्यम से वा बजट व अन्य सत्रों में भी बहुत ही तर्कसंगत बहस कर अपनी प्रतिभा को सदन के समक्ष रखा।

उत्तर प्रदेश मेट्रो के प्रबंध निदेशक ने नव निर्वाचित सहायक प्रबंधक व जूनियर अभियंताओं को दिया नैतिकता का पाठ

मृत्युन्जय प्रताप सिंहःलखनऊ। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक (कुमार केशव) ने आज ट्रांसपोर्ट नगर डिपो के सभागार में कुल 37 सहायक प्रबंधक व जूनियर अभियंताओं को प्रेरणादायी प्रशिक्षण देकर उनका उत्साहवर्धन किया, और उन्हें अपने कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ निभाने की बात कही। प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने आज अपने पूरे कार्यकाल में हुए तजुर्बों को साझा करते हुए बताया की उत्तर प्रदेश मेट्रो आज ना केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक मिसाल कायम कर चुकी है।यह सब हम सब के अथक प्रयासों का ही नतीजा ही है जिसका हिस्सा अब आप सब भी है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने 50:50 व यू कैन के सिद्धांतों को समझते हुए बताया कि आज आप सब यहाँ अपनी कड़ी मेहनत व

परिश्रम से यहाँ तक आए है और खुद को एक मिसाल के रूप में साबित करना होगा। आपका अच्छा आचरण व व्यवहार ही आपको अपने कार्यक्षेत्र में एक अच्छी पहचान दिलाएगा।

मत्स्य पालन हेतु पूर्व में जारी शासनादेशों में संशोधन करके व्यावहारिक बनाया जाए –डॉ0 संजय कुमार निषाद

मृत्युन्जय प्रताप सिंह लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद की अध्यक्षता में मत्स्य निदेशालय के सभाकक्ष में श्रेणी–01, 02 व 03 के मत्स्य जलाशयों के ठेकेदारों के साथ बैठक आयोजित की गई जिसमें उ0प्र0 मत्स्य विभाग, उ0प्र0 मत्स्य विकास निगम एवं उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ के प्रबन्धन के अधीन आने वाले जलाशयों के ठेकेदारों की समस्याओं और उनके सुझावों को सुना गया तथा लिखित रूप में भी प्राप्त किया गया। मत्स्य मंत्री द्वारा जलाशयों के ठेकेदारों की सभी समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए यथाशीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी स्थानीय स्तर पर रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करें और समस्याओं का समाधान करें। बैठक में मत्स्य मंत्री ने कहा कि जलाशयों से मत्स्य उत्पादन की वृद्धि हेतु कार्य करने के वर्तमान शासनादेशों में आवश्यक संशोधन करने पर विचार किया जाय। इसके साथ ही विभागों के सहयोग से जलाशयों के ठेकेदारों की समस्याओं का समाधान करें और प्राप्त सुझाव तथा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश व उत्तराखण्ड के शासनादेशों का अध्ययन करते हुए उत्तर प्रदेश के वर्तमान शासनादेशों में आवश्यक संशोधन कर जलाशयों के प्रबन्धन हेतु नीति का निर्धारण किया जाय, जिससे समस्याओं का समाधान हो सके और जलाशयों की मत्स्य उत्पादकता में वृद्धि हो सके। इस हेतु कमेटी का गठन कराया जा चुका है। बैठक में मत्स्य विभाग के निदेशक डॉ0 कुणाल सिल्कू ने कहा कि मंत्री जी द्वारा दिए गए सुझावों का अक्षरशः पालन किया जायेगा और स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का शासन स्तर से

शीघ्र निराकरण किया जायेगा। उन्होंने मंत्री जी को मत्स्य विभाग, मत्स्य विकास निगम, मत्स्यजीवी सहकारी संघ तथा जलाशयों के ठेकेदारों के साथ बैठक आयोजित करने एवं सीधी वार्ता करने हेतु धन्यवाद दिया। बैठक में मत्स्यजीवी सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री वीरू साहनी, मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ0 राजेन्द्र सिंह, उपनिदेशक डॉ0 हरेन्द्र, उपनिदेशक मोनिशा सिंह, उपनिदेशक अंजना वर्मा तथा प्रदेश के मण्डलों से आये उपनिदेशक/सहायक निदेशक उपस्थित थे। बैठक में बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं ग्रामीण अंचलों से आये श्रेणी–1, श्रेणी–2 व श्रेणी–3 के जलाशयों के ठेकेदारों ने प्रतिभाग किया और अपनी समस्यायें बतायीं एवं सुझाव दिये। कल दिनांक 02 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से श्रेणी–4 एवं श्रेणी–5 के जलाशयों के ठेकेदारों के साथ बैठक आयोजित की जायेगी।

शिया वक्फ बोर्ड की सालाना आय छह माह में हुई दोगुनी : सख्ती से जुटाई 64 लाख रुपये की धनराशि

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश भर में वक्फ संपत्तियों के मुतवल्लियों पर सख्ती के चलते शिया वक्फ बोर्ड अपनी वार्षिक आय को मात्र छह माह में दोगुनी से ज्यादा कर ली है। बोर्ड ने 64 लाख रुपये से ज्यादा की आमदनी की है। इससे वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा व निगरानी के साथ ही बोर्ड कर्मचारियों का बकाया वेतन का भुगतान करने में भी आसानी होगी। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड में प्रदेश भर में करीब 8 हजार संपत्तियां दर्ज हैं। वक्फ संपत्तियों की आय से मुतवल्लियों को बोर्ड में 7 फीसदी मुतालबा और डेवलपमेंट चार्ज आदि जमा करना होता है। तमाम मुतवल्ली अपनी आय को छिपा कर बोर्ड में मर्जी के मुताबिक काफी कम मुतालबा जमा करते हैं। ऐसे में बोर्ड की बीते कई सालों से सालाना आय मात्र 32 लाख रुपये ही हो रही थी। ऐसे में बोर्ड के कर्मचारियों का वेतन करीब 37 महीने का बकाया हो चुका है। नवगठित शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने बोर्ड की आमदनी के लिए मुतवल्लियों पर सख्ती शुरू की और वक्फ निरीक्षकों और आडिटरों को संपत्तियों की आय का निरीक्षण करवाया। इसका असर ये हुआ कि बीते छह महीनों में ही बोर्ड की आमदनी दोगुनी बढ़कर 64 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गई। जैदी का कहना है कि उनका लक्ष्य बोर्ड की आमदनी को सालाना दो करोड़ रुपये तक पहुंचाना है ताकि वक्फ संपत्तियों की बेहतर निगरानी के लिए स्टाफ व संसाधन आसानी से जुटाए जा सकें। उन्होंने बताया कि अभी बरेली, अमरोहा, मुजफ्फरनगर, मेरठ, अंबेडकरनगर, बाराबंकी आदि जिलों में निरीक्षण कार्य किया गया है।

घरेलू किसानों एवं वाणिज्यिक विद्युत उपभोक्ताओं के लिए लाई गई ''एकमुश्त समाधान योजना'' अब कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से शुरू

गोरखपुर ब्यूरो राजनाराध ओझाः अब प्रदेश के सभी जनपदों के सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जनपद गोरखपुर में स्थित सभी (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से भी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं, निजी नलकूप उपभोक्ताओं और 5 किलोवाट तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए लाई गई एकमुश्त समाधान योजना में 30 अप्रैल 2022 तक के बकाये पर 100: सरचार्ज माफी की सुविधा शुरू हो चुकी है। अब संबन्धित उपभोक्ता अपने नजदीकी (कॉमन सर्विस सेंटर) पर जाकर बिना कोई अतिरिक्त शुल्क दिए इस योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना की अंतिम तिथि 30 जून 2022 है।

योजना के महत्वपूर्ण बिंदु निम्नलिखित हैं :–

यह जानकारी देते हुए सीएससी ई–गवर्नेन्स सर्विसेज इण्डिया लिमिटेड के जिलाप्रबंधक अंशुल प्रताप यादव द्वारा यह बताया गया कि इस योजना के सफल क्रियान्वयन लिए सभी कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए जा चूके हैं, और साथ ही इसकी क्षेत्रवार मोनिटरिंग भी की जा रही है।

जनपद में मातृ मृत्यु दर समाप्त करने का अभियान' की प्रभावी समीक्षा एवं रणनीति के सम्बन्ध में बैठक हुई आयोजित

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : मुख्य विकास अधिकारी अतुल वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित उनके कक्ष में 'जनपद में मातृ मृत्यु दर समाप्त करने का अभियान' (Operation to Eliminate Maternal Mortality Rate in District) की प्रभावी समीक्षा एवं रणनीति के संबंध में ैन्च्ॅ,न्दप्बमि, च्।ज्ञ के प्रतिनिधियों तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शत–प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करने हेतु किये जाने वाले प्रयासों पर विचार–विमर्श किया गया, जिसमें यह पाया गया कि अधिकांश गर्भवती महिलाओं की सूचना आशा द्वारा प्रेषित नही की जाती है। फलस्वरूप आर.सी.एच. पोर्टल पर उनका पंजीकरण नही हो पाता है। उन्होंने सम्बन्धित को निर्देशित किया कि शत–प्रतिशत गर्भवती

महिलाओं का चिन्हीकरण सुनिश्चित करायें तथा आर.सी.एच. पोर्टल पर उनका पंजीकरण भी किये जायें। इस अवसर पर TSU, WHO, Unicef, PATH के प्रतिनिधियों तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में कौन होगा भाजपा का उम्मीदवार : अखिलेश ने छोड़ दिया जिले की जनता का साथ –निरहुआ

आजमगढ़ ब्यूरो : आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार कौन होगा, इसे लेकर लोगों में चर्चा है। भाजपा के टिकट पर एक बार फिर दिनेश लाल यादव निरहुआ के मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही है। बीते दो दिन से जिले में रहकर दिनेश लाल यादव निरहुआ लोगों से जनसंपर्क में जुटे हुए हैं। बुधवार को मीडिया से वार्ता के दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की जनता ने बड़ी उम्मीद के साथ अखिलेश यादव को अपना सांसद चुना था लेकिन उन्होंने तीन वर्षों में ही यहां की जनता का साथ छोड़ दिया। आने वाले 50 वर्षों में भी सपा की सरकार नहीं आने वाली है।अब जाति धर्म से ऊपर उठकर लोग जिले के विकास के बारे में सोचें दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए अनेक राज्यों में जाना होता है। हर राज्य को सीएम योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री और हर देश को नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री चाहिए। उत्तर प्रदेश की जनता और देश की जनता ने जिसे चुना है वो देश के सबसे अच्छे नेता हैं। ऐसे में हम सभी लोगों को भाजपा के साथ जुड़कर विकास में योगदान करना चाहिए। उपचुनाव सही मौका है, जब हम सभी लोगों को भाजपा के साथ जुड़ना चाहिए। कहा कि आपने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के बारे में सोचा लेकिन इस बार आजमगढ़ के भले के लिए सोचना है और यह सबकी जिम्मेदारी है। क्योंकि आजमगढ़ का प्रतिनिधि जब सरकार में होगा तो जिले का विकास और अधिक मजबूती के साथ होगा। ऐसा प्रतिनिधि चाहिए जो यहां की जनता के लिए काम कर पाए। आज गोरखपुर और वाराणसी पूरी तरह से सज गया पर आजमगढ़ पिछड़ गया। बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा खाली की गई आजमगढ़ लोकसभा सीट पर

23 जून को उपचुनाव है। इस सीट पर समाजवादी पार्टी ने अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी घोषित किया है। वहीं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को टिकट दिया है। आजमगढ़ में मुस्लिम या यादव की होती है जीत वर्ष 1996 से आजमगढ़ में सिर्फ मुस्लिम और यादव उम्मीदवार ही जीतते रहे हैं। रमाकांत यादव ने यहां साल 1996 और 1999 में एसपी प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की थी। वह साल 2004 में बीएसपी और 2009 में बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीते थे। साल 1998 और 2008 में इस सीट पर हुए उपचुनावों में बीएसपी के अकबर अहमद डंपी ने फतह हासिल की थी। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने बीजेपी उम्मीदवार रमाकांत यादव को करीब 63 हजार मतों से हराया था। इसके बाद जब 2019 के लोकसभा चुनाव हुए तो मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी और सपा मुखिया अखिलेश यादव इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरे। जनपद की जनता ने एक बार फिर मोदी लहर के विपरीत सपा का साथ दिया और अखिलेश यादव ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ को पराजित करते हुए जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की। इस लोकसभा क्षेत्र में करीब 19 लाख मतदाताओं में से साढ़े तीन लाख से अधिक यादव, तीन लाख से ज्यादा मुसलमान और करीब तीन लाख दलित हैं।

महिलाओं के ब्रांडेड कपड़ों के शोरूम का उद्घाटन संपन्न

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : ब्रांडेड कपड़ों में अपनी अलग पहचान रखने वाला प्रतिष्ठान केसंस का महिलाओं के लिए अलग से केसंस वोमेन शोरूम का शुभारंभ गांधी तिराहे के समीप किया गया। जिसका उद् घाटन गुरुवार को सुधा उपाध्याय ने फीता काटकर किया। यहां पर महिलाओं के ब्रांडेड कपड़े किफायती दर पर उपलब्ध है। यह महिलाओं के लिए एक छत के नीचे सारे कपड़े उपलब्ध कराने वाला जिले का एकमात्र शोरूम है। अधिष्ठाता विकेश उपाध्याय व विवेक उपाध्याय ने बताया कि एक ही छत के नीचे महिलाओं के तमाम तरह के परिधान उपलब्ध है। केसंस वोमेन महिलाओं को अलग तरह की फील देगा। सिर्फ रूप–रंग में ही नही बल्कि गुणवत्ता के मामले में भी महानगरों के क्वालिटी की चीजें यहां उपलब्ध है। यहाँ पर लहंगा, गाउन, सूट, इंडो वेस्टर्न पार्टी वियर सलवार सूट उपलब्ध है। महिलाओं के लिए बिकने वाले ब्रांड ग्लोबल देसी, लेविस, एंड, मैडाम, सूती, डब्ल्यू, देसी बेल, हेरिटेज आदि ब्रांड उपलब्ध है। कीमत व क्वालिटी के मामले में भी यह शोरूम भीड़ से अलग है। उन्होंने बताया कि जिले व शहरवासियों का लंबे समय से स्नेह व प्यार मिलता आ रहा है। इसी स्नेह की ताकत से केसंस वोमेन को जनता के बीच लेकर आए है। वर्ल्ड क्लास इंटीरियर से सुसज्जित यह शोरूम

लोगों को खास फील देगा। शोरूम को तीन भागों में विभाजित किया गया है, यहां पर एक ब्रांडेड फ्लोर, दूसरा पार्टी वियर फ्लोर, एक लांज वियर फ्लोर है। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी त्रिभुवन नाथ उपाध्याय, कांग्रेस नेता डॉ.राकेश उपाध्याय, बदलापुर विधायक रमेशचंद्र मिश्रा, डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस इन्द्रभुवन सिंह, जौनपुर पत्रकार संघ महामंत्री मधुकर तिवारी, सुरेंद्र वीर विक्रम बहादुर सिंह बाबा, शिक्षक नेता शिवेंद्र सिंह, अश्विनी सिंह आदि मौजूद रहे।

आजीवन कायस्थ समाज के लिए समर्पित रहे कैलाश नारायण सारंग जी : राकेश श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जौनपुर की एक बैठक कैम्प कार्यालय मियांपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर्मचारी नेता राकेश श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष/प्रदेश महामंत्री कायस्थ महासभा ने किया संचालन जिला महासचिव संजय अस्थाना पत्रकार ने किया। बैठक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्व कैलाश नारायण सारंग जी के जयंती पर कायस्थ महासभा के पदाधिकारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपना अपना विचार व्यक्त किया। संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव व संरक्षक एस सी लाल ने कहा की पूर्व सांसद स्व कैलाश सारंग जी ने अपना पूरा जीवन कायस्थ समाज के उत्थान में समर्पित कर दिया। जिलाध्यक्ष कायस्थ महासभा राकेश श्रीवास्तव ने कहा की सारंग जी ने कायस्थ महासभा को एक उचाई तक स्थान तक पहुचाया आज पूरे देश के कोने कोने तक कायस्थ महासभा पहुंच गई हैं, सारंग साहब आजीवन कायस्थ समाज के लिए समर्पित रहे। अभी उनके पुण्यतिथि पर कायस्थ समाज के संरक्षक आर के सिन्हा व कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह व कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश ह्रदय नारायण श्रीवास्तव के आह्वान पर देश के हर संगठन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया था

जिससे समाज मे एकजुटता का संदेश गया था, महासचिव संजय अस्थाना ने कहाकि सारंग साहब एक कुशल राजनीतिज्ञ, चिंतक, लेखक व कुशल संगठन कर्ता थे, वह अपनी राजनीतिक काल में शुरू से आखिर तक भाजपा से जुड़े रहे, अन्य वक्ताओं ने भी सारंग के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्याम रतन श्रीवास्तव, जय आनंद, सरोज श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, दया शंकर निगम, सुधीर अस्थाना, अमित निगम, विजय श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव सहित अन्य संगठनों के तमाम स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

शहीदों के सरताज साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का मनाया जा रहा 416वाँ पावन शहीदी दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के सम्पादक, बाणी के बोहिथ, शहीदों के सरताज सिखों के पांचवें गुरू साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का 416वाँ पावन शहीदी दिवस दिनांक 02 एवं 03 जून 2022 को बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिण्डोला में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज दिनांक 02 जून 2022 को सायं श्री रहिरास साहिब के पाठ से दीवान आरम्भ हुआ उसके उपरान्त रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने कीर्तन गायन एवं नाम सिमरन द्वारा संगत को निहाल किया विशेष रुप से पधारे पंथ प्रसिद्ध प्रचारक ज्ञानी जसविन्दर सिंह जी श्री अमृतसर वालों ने श्री गुरु अरजन देव जी की जीवन एवं शहादत पर गुरमति विचार व्यक्त किये। रागी जत्था भाई सुखजिन्दर सिंह जी हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर वालों ने "उनां नूँ सभ जगतु करे नमसकार" शबद कीर्तन गायन कर श्रद्धालुओं को निहाल किया। मंच का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी

एवं ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी श्री गुरु सिंह सभा, नाका हिन्डोला, लखनऊ के अध्यक्ष सरदार राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने बताया कि दिनांक 03 जून 2022 को प्रातः 5.00 बजे से 3.00 बजे तक पावन शहीदी दिवस पर दीवान सजेगा। दोपहर 12.00 बजे से गुरु का लंगर वितरित किया जायेगा। समाप्ति के उपरान्त गुरु का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया।

मिशन शक्ति अभियान फेज 4.0 के तहत " हक की बात जिलाधिकारी " के साथ कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : मिशन शक्ति अभियान फेज 4.0 के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में " हक की बात जिलाधिकारी " के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूणहत्या, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा आदि के संबंध में संरक्षण, सुरक्षा तंत्र, सुझाव, सहायता व कानूनी सहायता आदि विषयों को लेकर दो घंटे के पारस्परिक संवाद किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं की यौन हिंसा, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, व दहेज हिंसा आदि के संबंध में संरक्षण सुरक्षा तंत्र सुझाव एवं सहायता हेतु जानकारी प्रदान करना व उन्हें जागरूक करना था। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अध्यक्ष आकांक्षा समिति अंकिता राज, उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं अर्चना ओझा, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, जिला दिव्यांग जन अधिकारी दिव्या शुक्ला व जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने बारी-बारी से छात्राओं एवं महिलाओं के सवालों का जवाब दिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित बालिकाओं के प्रश्नों को सुनते हुए बड़े ही शालीनता से जबाब देते हुए कहा कि अत्याचार सहेंगे तो बढ़ता चला जाएगा। अपने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना पड़ेगा। सभी अभिभावकों से कहा कि आवाज उठाने के लिए बच्चियों को प्रोत्साहित करें, उनका आत्मबल मजबूत करने की आवश्यकता है। घर, स्कूल, मोहल्ला, कार्यालय कहीं पर भी कोई उत्पीड़न न हो। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित को निर्देशित किया कि जीजीआईसी, कस्तूरबा गांधी और निजी विद्यालयों में ताइक्वांडो का प्रशिक्षण अवश्य कराएं। कार्यक्रम में जनक कुमारी बालिका इंटर कॉलेज, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज, राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जफराबाद की बालिकाओं द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। जनक कुमारी बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा ने पूछा कि यदि हमारे पास मोबाइल उपलब्ध न हो या मोबाइल में नेटवर्क न हो तो हम अपनी सुरक्षा कैसे करें, इस पर अध्यक्ष आकांक्षा समिति ने बताया की बालिकाओं को स्वयं सेल्फ डिफेंस होना चाहिए। उसी क्रम में एक बालिका ने प्रश्न किया कि यदि एक

परिवार में बालक और बालिका दोनों है तो परिवार वालों की प्राथमिकता होती है कि बालकों को अच्छे विद्यालय में शिक्षा दें ऐसी स्थिति में हम बालिकाएं क्या कर सकते हैं, इस पर एसडीएम मड़ियाहूं ने कहा कि कोई भी माता-पिता या नहीं चाहेगा कि मेरा बच्चा अच्छे विद्यालय में न पढ़े, सबसे पहले आप अपने माता पिता को विश्वास दिलाये कि आप जिस लक्ष्य को बनाकर चल रही हैं, उसे प्राप्त कर लेंगी। जिला सूचना अधिकारी व जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी द्वारा अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया की खुद के भीतर बनने का आत्मविश्वास होना चाहिए। परिस्थिति किसी भी व्यक्ति को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। यदि अपने विश्वास है तो आप अपना मुकाम हासिल अवश्य कर पाएंगे। तत्पश्चात अधिकारियों द्वारा " महिलाओं हेतु चल रहे कार्यक्रमों/योजनाओं की पुस्तिका " का विमोचन करवाया। जिस पुस्तक में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की विस्तार पूर्वक वर्णन है।यह पुस्तक एनआईसी साइट पर भी अपलोड है इस पुस्ताक में समस्त योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो पाएगी। कार्यक्रम में महिला शक्ति केंद्र, बाल संरक्षण अधिकारी चन्दन राय, महिला कल्याण अधिकारी नीता वर्मा, जिला समन्वयक प्रतिभा सिंह, बबीता व बाल संरक्षण इकाई के सदस्य, मनोज वत्स, उर्वसी सिंह, ममता गुप्ता, मीरा अग्रहरि, मुरलीधर गिरी, अवनीश मण्डी त्रिपाठी, केदार प्रजापति, राकेश अस्थाना, विजय अस्थाना सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

जे-के का शेर भीम सिंह पंचतत्व में विलीन :खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय नई दिल्ली।दिल्ली प्रदेश नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष राजीव खोसला ने हजारों प्रेमियों के साथ कल प्रो भीम सिंह जी की अंतिम यात्रा उनके जन्मस्थली में समापन कियातकरीबनजम्मू से100 किलोमीटर का रास्ता भर मेंजगह-जगह लोगों ने रोक कर प्रो भीम सिंह जी के पार्थिव शरीर को नम आंखों

सेश्रद्धांजलि अर्पित कीमहिलाओं में भी श्रद्धा श्रद्धांजलि देने मेंकोई कमी नहीं छोड़ीउनके जन्म स्थली में जाकर सैकड़ों गाड़ियों का काफिला हजारों लोगों नेउन्हें अग्नि के हवाले किया प्रो भीम सिंह जी का जन्मगांव में हुआ थाजहां उनका कल अंतिम संस्कार किया गया प्रो भीम जी नेअपने 84 साल के जीवन में अनेकों यात्राएं कीदेश विदेश का भ्रमण किया मोटरसाइकिल पर सभी कंट्री ओं मेंघूमे वाहभाईचाराएकताका पैगाम देते रहे भीम सिंह जी ने किसी को भी कभी भी गुस्से से नहीं बात करी चाहे सामने वाले ने जितनी भी गलती की हो प्रो भीम सिंह जी से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला आज जो मेरा दिल्ली प्रदेश में नाम है वह सिर्फ और सिर्फ और बेहतर भीम सिंह जी की वजह से ही प्रो भीम सिंह जी का नारा समता, समानता , एकता, शांति औरउन्नति का पैगाम कश्मीर से कन्याकुमारी तक हम मिलकर देते रहेंगे भीम सिंह जी की धर्मपत्नी जयमाला जी के साथ हमारी पूरी सहमति है पूर्व सांसद पार्टी के अध्यक्ष माननीय बलवंत सिंह मनकोटिया जी ने भी अंतिम यात्रा में प्रोभीम सिंह जी को दिया हुआ वादा पूरा कियाअंतिम यात्रा में जम्मू कश्मीर के आला राजनीति के लोग जिसमें माननीय लाल सिंह जी माननीय रविंद्र रैना जी माननीय जुगल किशोर जी सांसद विधायक व पंच सरपंचों भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

जनपद की आठ स्वास्थ्य इकाइयां कायाकल्प अवार्ड से पुरस्कृत

जौनपुर सू.वि. : कायाकल्प अवार्ड योजना में वर्ष 2021-22 के लिए जनपद की आठ स्वास्थ्य इकाइयां पुरस्कृत हुई हैं। इस पर सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने सभी सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक व स्टाफ को बधाई दी। इसके साथ ही शेष सीएचसी को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने की बात कही। उन्होंने सभी स्वास्थ्य इकाइयों के कायाकल्प योजना में प्रमाणित करवाने को कहा है। सीएमओ ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में कायाकल्प अवार्ड योजना चलाई जा रही है। इसके माध्यम से मरीजों की संतुष्टि, स्वास्थ्यकर्मियों का व्यवहार-आचरण, अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं, रख-रखाव तथा मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार आदि मानकों को परखा जाता है। अस्पताल कर्मचारियों का स्वास्थ्य, उनका आचरण-व्यवहार, अस्पतालों में होने वाले इन्फेक्शन से बचाव, सभी अस्पतालकर्मियों के लिए ड्रेस कोड पालिसी तथा मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी मूल्यांकन किया जाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) सत्यव्रत त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष कायाकल्प अवार्ड योजना में जनपद के आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का केंद्र सरकार की ओर से नामित राज्य स्तरीय टीम ने नवम्बर 2021 से इस वर्ष फरवरी तक मूल्यांकन किया। केंद्र सरकार ने 30 मई को इसका परिणाम भी घोषित कर दिया। इसमें जनपद के आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफल हुए। लगातार पांचवें वर्ष सीएचसी डोभी ने इस अवार्ड में टॉप-10 में जगह बनाई। इस वर्ष उसे तीसरा स्थान मिला है। सीएचसी रेहटी, शाहगंज और नौपेड़वा ने पहले प्रयास में इसमें जगह बनाई। सीएचसी रेहटी को 18वां और शाहगंज को 43वां स्थान मिला। सीएचसी मछलीशहर 53वें स्थान पर है। बरसठी लगातार दूसरे वर्ष कायाकल्प योजना में पुरस्कृत हुआ है। इस बार उसे 55वां स्थान मिला है। मुफ्तीगंज 99वें, बदलापुर 193वें तथा नौपेड़वा 198वें स्थान पर पुरस्कृत हुआ है। क्या-क्या सहूलियतें - सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह कहतीं हैं कि अस्पताल के कर्मचारियों का व्यवहार ही नहीं, यदि किसी मरीज ने किसी सहूलियत की मांग की तो वह भी उपलब्ध कराई जाती है। इसके लिए मरीजों का फीडबैक भी लिया जाता है। सीएचसी डोभी के ओपीडी में पहले मरीजों और तीमारदारों के बैठने की व्यवस्था नहीं थी। मरीजों से जानकारी होने पर 100 मरीजोंध्तीमारदारों को एक साथ बैठने की व्यवस्था करा दी गई। पीने के पानी के लिए वाटर कूलर लगाया गया। लेबर रूम में निजता के लिए प्रसूताओं के हर बेड के हिसाब से पर्दे लगे। उनकी सुविधा के लिए पश्चिमी सभ्यता के शौचालय बना। जननी सुरक्षा योजना के तहत दिन में दो बार खाना और नाश्ता दिया जाता है जिसकी गुणवत्ता की जांच के लिए दो अधिकारी नोडल नामित हैं। वे हर दिन भोजन की गुणवत्ता जांचते हैं। दिनभर में तीन बार साफ-सफाई की जाती है। संक्रमण पर काबू पाने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। क्वालिटी एश्योरेंस के जिला सलाहकार डॉ क्षितिज पाठक बताते हैं कि किसी भी स्वास्थ्य इकाई को कायाकल्प योजना में पुरस्कृत होने के लिए तीन चरणों से गुजरना होता है। पहले चरण में हॉस्पिटल के कर्मचारी और जिला क्वालिटी टीम चिकित्सालयों का मूल्यांकन करती है जिसमें 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने पर राज्य की ओर से नामित दूसरे जिले की क्वालिटी टीम उसका क्रास वेरीफिकेशन करती है। इसमें 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने पर उसका अंतिम मूल्यांकन किया जाता है जिस में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने पर प्राप्त अंकों के आधार पर जिला वार रैंकिंग तैयार की जाती है। किसी भी स्वास्थ्य इकाई का मूल्यांकन इन सात बिन्दुओं पर किया जाता है। 1-चिकित्सालय का रखरखाव (इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं) 2-साफ-सफाई (100 अंक) 3-बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट ((100 अंक) 4-संक्रमण नियंत्रण (100 अंक) 5-सहयोगी सेवाएं (50 अंक) 6-साफ-सफाई के प्रति जागरूकता (50 अंक) 7-समुदाय से सम्पर्क (100 अंक) इन सात बिन्दुओं पर प्रतिभाग करने वाली स्वास्थ्य इकाइयों का मूल्यांकन किया जाता है। इसके लिए 600 अंक निर्धारित हैं जिसमें से सीएचसी डोभी ने 93.14 प्रतिशत, सीएचसी रेहटी ने 86.14 प्रतिशत, शाहगंज ने 80.29 और नौपेड़वा ने 72.86 प्रतिशत, मछलीशहर ने 78.43 प्रतिशत, बरसठी ने 78.14 प्रतिशत, मुफ्तीगंज ने 75.29 प्रतिशत, बदलापुर ने 71.86 प्रतिशत तथा नौपेड़वा ने 72.86 प्रतिशत अंक पाया।

वृंदावन के अन्नपूर्णा भवन में श्रद्धालुओं को मिलेगा निशुल्क भोजन : मुख्यमंत्री कर सकते हैं उद्घाटन

मथुरा ब्यूरो : वृंदावन भगवान श्रीराधाकृष्ण की लीला भूमि है। यहां हजारों साधु-संत भगवान की भक्ति के लिए डेरा जमाए हैं। हजारों लोग प्रतिदिन दर्शन के लिए यहां आते हैं। तीर्थनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं को जल्द ही निशुल्क भोजन की सुविधा मिलने वाली है। इसके लिए वृंदावन में अन्नपूर्णा भवन बन रहा है। अन्नपूर्णा भोजनालय में श्रद्धालुओं के लिए सुपाच्य और पूरी तरह निशुल्क भरपेट भोजन की व्यवस्था होगी। यहां हर दिन करीब पांच हजार लोग भोजन कर सकेंगे। 14 फरवरी 2021 में किया था शिलान्यास तीर्थनगरी के मथुरा मार्ग स्थित जयपुर मंदिर के सामने स्थित अन्नपूर्णा भवन का शिलान्यास 14 फरवरी 2021 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जा रहा है। 466.50 लाख की लागत वाले इस अन्नपूर्णा भवन में खाद्यान भंडारण के लिए अंडरग्राउंड निर्माण किया जा रहा है, जबकि भोजन प्रसादी पाने वालों को बिठाने के लिए दो बड़े हॉल तैयार हो रहे हैं, जिनमें करीब 400 लोग एक साथ भोजन कर सकेंगे। विजय कौशल करेंगे अन्नपूर्णा भवन का संचालन अन्नपूर्णा भवन का संचालन प्रख्यात श्रीरामकथा वाचक संत विजय कौशल करेंगे। संत विजय कौशल की अध्यक्षता में गठित मंगलमय परिवार न्यास द्वारा अन्नपूर्णा भोजनालय में भोजन की व्यवस्था करेगा। उनके प्रतिनिधि मोहित व्यास ने बताया कि देशभर से मंदिरों में दर्शन को आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए भोजनालय तैयार हो रहा है, जो पूरी तरह निशुल्क होगा। संभावना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन करने वृंदावन आ सकते हैं।

बिल्हौर थाने में तैनात सिपाही की गर्दन रेतकर नृशंस हत्या : एक महीने पहले ही हुई थी शादी

कानपुर ब्यूरो : कानुपर के बिल्हौर थाने में तैनात सिपाही की बुधवार देर रात गर्दन रेत कर नृशंस हत्या कर दी गई। सुबह कमरे में थाने का एक सिपाही किसी काम से पहुंचा, तो स्थिति देखकर दंग रह गया। सिपाही का रक्तरंजित शव बेड पर पड़ा मिला। हत्याकांड की जानकारी मिलते ही बिल्हौर थाना प्रभारी, एसपी आउटर और सीओ बिल्हौर भी मौके पर जांच करने पहुंचे। बता दें कि बिल्हौर थाने में फिरोजाबाद पोस्ट पाढ़म गांव दयापुर के रहने वाले कांस्टेबल देश दीपक कुमार (30) तैनात थे। इसके साथ ही थाने से चंद कदम की दूरी पर ही किराए का कमरा लेकर रहते थे। गुरुवार सुबह फोन नहीं उठने पर साथी कांस्टेबल कमरे में पहुंचा, तो देश दीपक का रक्त रंजित शव बेड पर पड़ा हुआ पाया। किसी ने धारदार हथियार से गर्दन रेतकर उसकी हत्या कर दी थी। बिल्हौर थाना प्रभारी ने हत्याकांड की जानकारी दीपक के परिजनों और उच्च अफसरों को दी। एसपी आउटर ने बताया कि हत्याकांड की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में किसी नजदीकी के हत्याकांड में शामिल होने की आशंका

है। एक महीने पहले हुई थी कांस्टेबल की शादी सिपाही की 22 अप्रैल को शादी हुई थी। कुछ दिन पहले ही शादी की छुट्टी पूरी करके ड्यूटी पर लौटा था। पुलिस हत्याकांड के पीछे प्रेम संबंध को भी जोड़कर देख रही है। सिपाही की कॉल डिटेल समेत अन्य जांच की जा रही है, जिससे कि हत्याकांड का खुलासा हो सके।

थाना सरायख्वाजा पुलिस ने 03 शातिर ठगों को किया गिरफ्तार : कब्जे से ठगी करने में उपयोग में लाये जाने वाले सामान को किया बरामद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण एवं दिशा दृ निर्देशन में चलाये जा रहे चेकिग अभियान के दौरान मुखबीर खास की सूचना मिली की तीन ठग जो लोगो को पैसा दोनुगा करने व सोने की कील के जगह नकली सोने की कील देकर धोखाधडी करने की फिराक मे मुडैला कोडिया सम्पर्क मार्ग पर किसी को ढगने की फिराक मे है इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय हमराह उ0नि0 शिवप्रकाश वर्मा व अन्य हमराही कर्माचारी गणो को साथ लेकर कोडिया मुडैला सम्पर्क मार्ग पहुचा गया जहा से तीन अभियुक्त गण दिनांक 01.06.22 को समय 19.00 बजे मुड़ैला कौड़िया जाने वाले लिंक मार्ग पर नहर पुलिया से 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से अभियुक्तगण 1. संजय बर पुत्र भानू बर के कब्जे से पाँच अदद कागज की गड्डी जिस पर दोनो तरफ पाँच पाँच सौ रुपये की एक एक नोट व आठ अदद बन्द लिफाफे में कागज की गड्डी , 2. साजिद हुसैन मुल्ला पुत्र शहादत क कब्जे से पाँच अदद सफेद कागज की गड्डी, 3. साजिद हुसैन मुल्ला पुत्र शहादत के पास से तीन अदद पारदर्शी पन्नी में सोने जैसी हूबहू कील व दो पारदर्शी डिब्बों में हूबहू सोने की कील बरामद हुए।जिनसे पूछताछ के दौरान बताये कि हम लोग घुमघुमकर लोगो से पैसा दुगना करने की बात करते है जो ब्यक्ति हम लोगो की जाल मे फस जाता है तो उनके साथ ठगी कर वहा से अपना स्थान बदल देते है। गिरफ्तार अभियुक्तगण- 1.संजय बर पुत्र भानू बर निवासी मन्दिर तला थाना सांगर जिला दक्षिण चौबीस परगना पश्चिम बंगाल। 2.साजिद हुसैन मुल्ला पुत्र शहादत निवासी शंकरपुर थाना ढोलाहाट जिला दक्षिण चौबीस परगना पश्चिम बंगाल। 3.मोतिया रहमान

मुल्ला पुत्र सहाजेल मुल्ला निवासी बेड जमालपुर थाना ढोलाहाट जिला दक्षिण चौबीस परगना पश्चिम बंगाल। अभियुक्तगण का आपराधिक इतिहास- 1- मु0अ0सं0- 184/22 धारा- 419/420 भादवि थाना सरायख्वाजा, जौनपुर। बरामदगी का विवरण- 1.पाँच कागज की गड्डी जिस पर दोनो तरफ पाँच पाँच सौ रुपये की एक एक नोट 2. पाँच सफेद कागज की गड्डी 3.आठ बन्द लिफाफे में कागज की गड्डी 4. तीन पारदर्शी पन्नी में सोने जैसी हूबहू कील 5. दो पारदर्शी डिब्बों में हूबहू सोने की कील 6.एक मोटर साइकिल भ्फ डिल्क्स वाहन नं0 न्च 44 |श्र 0788 गिरफ्तारी व बरामद करने वाली टीम- 1.प्र0नि0 अवनीश कुमार राय थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर2. उ0नि0 शिव प्रकाश वर्मा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 3. हे0 का0 दिवाकर प्रसाद थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 4. हे0का0 अनुज प्रताप सिंह थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर5. हे0का0 अनिल सिंह थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 6. का0विनोद कुमार प्रजापति थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 7. का0सन्तोष तिवारी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपर 8. का0मुचकुन्द यादव थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 9. का0 भरत यादव थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर।

थाना सरायख्वाजा पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त 01 तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : आपरेशन पाताल के तहत श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण एवं दिशा दृ निर्देशन में दिनांक 02.06.22 को समय 06.30 बजे जेठपुरा गेट के पास नसरुद्दीन जाने वाले मार्ग से अभियुक्त अरुण यादव पुत्र पन्नालाल यादव निवासी जमीन पकड़ी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त अरुण यादव पुत्र पन्नालाल यादव उपरोक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 185/22 धारा - 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम- अरुण यादव पुत्र पन्नालाल यादव निवासी जमीन पकड़ी थाना

सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त- 1.अरुण यादव पुत्र पन्नालाल यादव निवासी जमीन पकड़ी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0- 185/22 धारा- 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सरायख्वाजा,जौनपुर। बरामदगी- एक तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस 315 बोर। गिरफ्तार करने वाली टीम- 1.उ0नि0 शिव प्रकाश वर्मा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर। 2.हे0 का0 दिवाकर प्रसाद थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर। 3.हे0का0 पवित्र भूषण तिवारी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर।

अयोध्या में गर्भवती शिक्षिका की दिन दहाड़े हत्या मामले में अपराधी पुलिस की गिरफ्त से दूर

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जहाँ एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या दौरे व अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन शहर में मौजूद रहे।जिसके चलते इस दौरान पुलिस महकमा पूरी तरह से मुस्तैदी दिखाने की बात कर रही थी।परंतु उसी बीच कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के श्रीरामपुरम् कालोनी में अज्ञात बदमाशों ने चाकुओं से गोद कर एक पांच माह की गर्भवती शिक्षिका की दिनदहाड़े हत्या कर कानून व्यवस्था को सीधी चुनौती दी है।यह जघन्य वारदात अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के श्रीरामपुरम कालोनी में तब हुई जब शिक्षिका अपने घर में अकेली थी।सूत्र के मुताबिक इस दौरान मौका पाकर घुसे बदमाशों ने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया।जिससे आसपास के क्षेत्रों में सनसनी फैल गई। वही घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी है।इस संबंध में एसपी सिटी विजय पाल सिंह ने बताया कि टीमें गठित कर दी गई हैं शीघ्र ही हमलावर पकड़े जाएंगे।परंतु खबर लिखे जाने तक पुलिस हवा में ही तीर चला रही थी।पुलिस अपराधियों तक नहीं पहुंच पा सके थे।वही रटा रटाया उत्तर रहा कि तलाश जारी है अपराधी शीघ्र ही पुलिस के गिरफ्त में होगे।पुलिस के अनुसार अंबेडकरनगर के जलालपुर थाने के पठानपुर अतरौली निवासी शिक्षिका सुप्रिया वर्मा यहां अपने पति और मां के साथ रहती हैं। वह बीकापुर के असकरनपुर प्राथमिक विद्यालय में तैनात थी। पति उमेश वर्मा भी शिक्षक हैं। बुधवार करीब 11 बजे पति उमेश सुप्रिया वर्मा को लेकर अपनी ससुराल जो बगल में ही श्रीराम पुरम कॉलोनी में है गए हुए थे। इस दौरान वह अपनी सास के साथ एटीएम से पैसा लेने

चले गए।पुलिस के अनुसार इसी बीच सुप्रिया के पिता सुरेश वर्मा के मित्र अनुराग प्रजापति इनके घर पहुंचे तो देखा दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने के बाद भी नहीं खुला तो उन्हें शक हुआ। इसी बीच वह निमार्णाधीन मकान की छत पर गए, जहां मजदूर काम कर रहे थे।इस दौरान मां और पति पहुंचे और जब दरवाजा खोला तो देखा कि सुप्रिया खून से लथपथ पड़ी हुई थी। तत्काल उसे दर्शननगर ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान पाए गए हैं।पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों के सहारे वारदात की जांच में जुटी हुई है। आसपास के लोगों और घर पर काम कर रहे मजदूरों से भी पूछताछ की जा रही है। अभी तक हत्या के मोटिव की जानकारी नहीं हो पाई है।एसपी सिटी विजय पाल सिंह ने बताया कि शीघ्र ही हमलावर गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अयोध्या।(डा.आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) जिले के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एंव परिवारिक अध्ययन विभाग द्वारा एक जून, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस जागरुकता अभियान, ग्राम बवां, विकास खण्ड अमानीगंज, अयोध्या में आयोजित किया गया।यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. बिजेन्द्र सिंह के अनुमति एंव दिशानिर्देश पर आयोजित किया गया। इस अभियान के शुभारम्भ में शोध छात्रा शशि ने उपस्थित अतिथियो एंव महिलाओ का स्वागत किया और दिवस के इतिहास के बारे में बताया।वही इस कार्यक्रम की अगली कड़ी में डॉ प्राची शुक्ला , गेस्ट फैकेल्टी ने बाल शोषण के विषय में जानकारी देते हुए बच्चों के शारीरिक , भावनात्मक एवं यौन शोषण के विषय में विस्तार से चर्चा की । कार्यक्रम में मानव विकास एंव परिवारिक अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष, डा. सुमन प्रसाद मौर्य ने महिलाओ को बताया कि यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में महिलाओं को जागरूक करने के लिए मनाया जा रहा है। डॉ सुमन ने लोगों को समझाया कि दैनिक कार्यों में लड़कियो के साथ लड़को की भी भागेदारी सुनिश्चित कराने व लड़को को प्रारम्भ से ही महिलाओ को सम्मान देने की शिक्षा देने की आवश्यकता है तथा बाल अधिकार एंव सम्बन्धित कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालक–बालिकाए कई रुप में असुरक्षित है जैसे – अपहरण, बाल वैश्या वृति छोडेध जाना, भटक जाना, यौन शोषण, घरेलु हिंसा का शिकार, अंग–भंग कर भीख मांगने के लिए बाध्य, बाल श्रम, बिमारियों से सुरक्षा, मानसिक एंव शारीरिक उत्पीडन, अजन्मे बच्चे के जीवन की सुरक्षा, बच्चों की स्वास्थ एंव उपेक्षा और दुरुपरोग होना आदि। उन्होंने बालको को दिये गए मूल अधिकार जैसे जीवन, पूर्ण विकास, सूरक्षा एंव सहभागिता का अधिकार पर चर्चा की, साथ ही बच्चो को सुरक्षित करने के लिए बने अधिनियमों के बारे में भी समझाया। सहायक प्राध्यापक श्रीमती सरिता श्रीवास्तव ने वर्तमान में बाल शोषण सम्बन्धित आकडे बताते हुए बाल सुरक्षा में परिवार व समाज की भूमिका के महत्व के बारे में महिलाओ को जागरुक किया। उन्होंने बाल शोषण मुक्त समाज बनाने हेतु परिवार के महत्व को बताते हुए बालक एंव बालिकाओ को समान रुप से संरक्षण देने पर बल दिया। बच्चों के कल्याण हेतु स्थानीय संस्थाओं के विषय मे भी पूर्ण जानकारी दी।वही विश्व विद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन सम्पादित कराने में डा. नमिता जोशी, अधिष्ठाता ,सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय का विशेष योगदान एवं प्रयास रहा । कार्यक्रम में उपस्थित 25 महिलाओ को पूरक पोषण आहार वितरित किया गया। कार्यक्रम में कुसुम लता चौहान, शोध छात्रा रंजना ने अपनी भागीदारी देकर सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में शोध छात्रा शशि ने क्रायक्रम में उपस्थित समस्त शिक्षक, वैज्ञानिक,छात्र एवं महिलाओं का धन्यावाद ज्ञापित किया।

पीड़ित के मुताबिक चक मार्ग पर दबंगों का अवैध कब्जा होने से ग्रामीण परेशान

अयोध्या।(डा.आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) रुदौली तहसील क्षेत्र के एक गांव में चक मार्ग पर दबंगों का अवैध कब्जा से परेशान ग्रामीण ने शिकायतीपत्र दिया है।इस संबंध में पीड़ित सुहेल अहमद पुत्र तुफैल अहमद निवासी ग्राम मवई ने शिकायतीपत्र के माध्यम से कहा है कि ग्राम मवई में चक मार्ग गाटा संख्या 813 पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर लिया है बाग तक जाने का यही एक रास्ता है जिसके बगल के काश्तकारों ने चकमार्ग को अपने अपने खेत में मिलाकर अवैध कब्जा कर लिया है।इसलिए चकमार्ग की पैमाइश करा कर अवैध कब्जा हटवा कर खाली कराया जाए ताकि ग्रामीणों को दिक्कत न हो।पीड़ित का कहना है कि दबंगों द्वारा हर फसल में चकमार्ग को जोत बो लिया जाता है जिससे चकमार्ग का अस्तित्व खत्म हो गया है।पीड़ित ने बताया कि उसने लगभग 1 वर्ष पूर्व संबंधित अधिकारियों को चक मार्ग पैमाइश के संबंध में कई बार प्रार्थना पत्र दिया अभी तक कोई पैमाइश नहीं कराई गई।पीड़ित ने तत्काल चकमार्ग की पैमाइश कराकर खाली कराये जाने की मांग की है।

महिला से मारपीट व अश्लील हरकत करने में चार के विरूद्ध केस दर्ज

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) जिले के मवई थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में मायके में रह रही एक महिला के साथ मारपीट व अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दो महिलाओं सहित चार लोगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है।सूत्र के मुताबिक ग्राम सैदपुर निवासी कन्हैया लाल की पुत्री कमला देवी पति से अनबन होने के कारण लगभग पांच साल से मायके में रह रही है।उसके माता पिता की मौत हो चुकी है।घर में वह अकेले रहती है।पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गत 20 मई को वह खेत से सरसों की तीलेठी लेकर घर आ रही थी।आरोप है कि जैसे ही अपने दरवाजे पर पहुंची वैसे ही पीछे से शिव गोबिंद,आशीष,निशा व नीलम ने घर में घुसकर पहले तो भद्दी–भद्दी गाली दी और उसके बाद चारों लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की।पीड़िता ने आरोपियों पर कपड़े फाड़ने व अश्लील हरकत करने का भी आरोप लगाया है।उसका कहना है कि पिटाई के कारण उसको काफी गंभीर चोटें आई।गुहार सुनकर आए पास पड़ोस के लोगों ने बीच बराव कराया तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डायल 112 के पुलिस कर्मियों ने पीड़िता को आरोपियों के चंगुल से मुक्त कराया।मवई के थाना प्रभारी नीरज सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर दो महिलाओं सहित चार लोगों के विरूद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क बदहाली को लेकर सपा कार्यकर्ता करेंगे धरना–अनूप सिंह

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह 'अनूप' ने वर्तमान भाजपा सरकार पर जनता का शोषण करने का आरोप लगाते हुये कहा कि प्रदेश की सरकार सिर्फ दिखावे की सरकार है। तथा इनके बड़े–बड़े वादे सिर्फ पोस्टर व बैनरों तक सीमित हैं। धरातल पर जनता के हक में कोई भी काम होते नहीं दिखाई दे रहा है। अनूप के अनुसार आम आदमी महँगाई व बेरोजगारी के भार तले दिन–प्रतिदिन दबा जा रहा है। निचले तबके के लोगों का जीना मुहाल हो चुका है। सपा नेता ने कहा कि कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से लचर हो चुकी है तथा सड़कों की बदहाल स्थिति सरकार के असफल होने का जीवंत उदाहरण है। महोली गाँव से बड़ागाँव होते हुये ड्योढ़ी को जाने वाली, तथा ड्योढ़ी से रौनाही तक जाने वाली ध्वस्त सड़क का उदाहरण देते हुये अनूप ने कहा कि अरसे से पड़े इस जर्जर सड़क की तरफ आखिर किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति का ध्यान क्यों नहीं जा रहा है। इसका सीधा सा मतलब है सरकार और सरकार के जनप्रतिनिधि किसी भी तरीके से जनता का हित नहीं चाहते हैं। तथा बेचारी निर्दोष जनता उक्त ध्वस्त पड़े मार्गों से आवागमन करने को मजबूर है। अनूप ने कहा कि यदि आगामी 15 जून तक उक्त सड़कों के निर्माण हेतु कोई ठोस कदम न उठाये गये तो सपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

वेतन रोके जाने की जानकारी पर शिक्षक संघ ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता)जिले में वेतन रोके जाने की जानकारी पर सोमवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रातींय आडीटर एवं जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी व जिला मंत्री चक्रवर्ती सिंह के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित वित्त एवं लेखाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वेतन अवरुद्ध नहीं किए जाने की मांग की गई।इस मौके पर संघ ने कहा कि वेतन अवरूद्ध होगा तो संघ आंदोलन की राह पकड़ेगा।विद्यालय प्रबंध समिति के खाता नहीं खुलने की दशा में जनपद के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों को विभाग द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा में विद्यालय प्रबंध समिति का खाता शून्य बैलेंस पर खोले जाने का निर्देश था। त्रिपाठी ने बताया कि इस संबंध में एक अन्य आदेश जिसमें खाता नहीं खुलने की दशा में जनपद के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतन रोके जाने की बात संज्ञान में आने पर आक्रोश की लहर है। जिलाध्यक्ष त्रिपाठी ने कहा कि 80 फीसदी खाता खुल चुका है इसलिए वेतन रोके जाने का औचित्य नहीं है। जिला मंत्री सिंह ने कहा कि वेतन रोका जाना प्रताड़ना की श्रेणी में आता है। जिला कोषाध्यक्ष वीरेंद्र भारती ने आंदोलन की चेतावनी दी है। जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक अध्यक्ष जयहिंद सिंह, मंत्री समीर सिंह व संजय सिंह शामिल रहे।

अवर अभियंता के मुताबिक 56 बकायेदारों के काटे गए बिजली कनेक्शन

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) अवर अभियंता पावर कारपोरेशन के मुताबिक बकाये दारों के खिलाफ पावर कार्पोरेशन की कार्रवाई अभी जारी है।सोमवार को बिजली विभाग की अलग अलग टीमों ने लगभग आधा दर्जन गांवों में चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 56 बड़े बकायेदारों के बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई की।इस कार्रवाई के बाद बकायेदारों में हड़कंप मच गया।बाबा बाजार उपकेंद्र के अवर अभियंता श्रवण कुमार ने बताया कि चंद्रा मऊ में 12,सैदपुर में 10,मदार पुरवा में 12,सरैया सुल्तानपुर में 8,बहरास में 6 तथा वनमऊ में 12 बड़े बकायेदारों द्वारा बकाया बिल की अदायगी न करने पर उनके कनेक्शन काटे जाने की कार्रवाही की गई।अवर अभियंता ने बताया कि बड़े बकायेदारों के विरूद्ध यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।उन्होंने बताया कि 10 हजार से कम के बकायेदारों के विरूद्ध अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नही की गई है।टीम में समर बहादुर यादव,संजय कुमार,शिवलाल व दुर्गेश मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कैसे हो समाधान जब पटरियों पर लगे दुकान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) शहर में जाम की समस्या से निपटने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है वनवे व्यवस्था लागू कर यातायात पुलिस ने अपनी ओर से पहल कर दी लेकिन जाम के प्रमुख कारण पटरी दुकानदारों पर नियंत्रण का प्रयास अभी नहीं दिख रहा है ज्यादा दबाव बढ़ने पर पुलिस ने लाठी फटकार कर भगा देती है लेकिन इनके पुनर्वास की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है बोर्डिंग जोन में पटरी दुकानदारों को छोड़ दे दिया जाए तो यातायात की समस्या काफी हद तक सुलझ जाएगी वोटिंग जोन बनाकर पटरी दुकानदारों को बसाने की जिम्मेदारी नगर निगम की है लेकिन नगर निगम इस दिशा में अपनी इच्छाशक्ति नहीं दिखा पा रहा है वर्तमान में भी यातायात के लिए प्रमुख समस्याएं बाजारों में सड़क पर स्थाई अस्थाई अतिक्रमण है वन वे के साथ बोर्डिंग जो व्यवस्था लागू करने की ओर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है सड़क की पटरी पर दुकान लगाने से बाजारों में जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है बोर्डिंग दिन के लिए तहे हुए 27 स्थान हैं जिसमें नगर पालिका के कार्यकाल में शहर के भीतर बोर्डिंग जोन एवं पार्किंग की व्यवस्था करने की पहल हुई थी बोर्डिंग जून भी बनाए गए लेकिन नगर निगम गठन की प्रक्रिया के बीच यह व्यवस्था नियमित नहीं हो सकी करीब 3 वर्ष पहले नगर निगम प्रशासन ने सहादतगंज अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन चौराहा मछली मंडी सेंट्रल बैंक सिविल लाइन चौक सहित 25 स्थानों की सूची तैयार की थी लेकिन जिम्मेदारो की इच्छा शक्ति के अभाव में यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी वोटिंग जो ना होने से मुख्य मार्ग की पत्तियों पर ठेले वालों का अतिक्रमण नजर आता है।

आग लगने से गृह स्वामी गम्भीर रूप से झुलसा : एक मवेशी की मौत व दो अन्य घायल

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के सदर तहसील क्षेत्र के केशवपुर बेल्हा गांव में किसान के भुसैला व पशुशाला में लगी आग की चपेट में आने से एक मबेशी कि मौत हो गयी जबकि दो गम्भीर रूप से घायल हो गये।पशुशाला में फंसी भैसों को खोंलने गये किसान रामपाल यादव गम्भीर रूप से आग की लपटों में झुलसकर घायल हो गये हैं जिनका इलाज दर्शननगर मंडलीय अस्पताल में चल रहा है।उनका पूरा शरीर गम्भीर रूप से झुलस गया हैं। जिन्हें लेटने में तकलीफ हो रही हैं।घटना बीते 27 मई की दोपहर बताई जा रही है। वारदात के समय परिजन सो रहे थे। ग्रामीणों की हल्ला गोहार पर जागे गृह स्वामी पशुशाला में फंसी भैसों को निकालने गये तो वह भी आग की लपटों की चपेट में आ गये। लेखपाल प्रदीप तिवारी ने बताया कि घटना दो सगे भाइयों के साथ हुई है जिसमे सबसे ज्यादा नुकसान राम पाल यादव का हुआ है। जिसमे पशुशाला में बंधी एक पड़िया की मौत हो गयी तथा दो अन्य मबेशी गम्भीर रूप से झुलस कर जीवन मौत से जूझ रहे हैं।10 कुन्तल भूसा भी आग की भेंट चढ़ा है।जबकि दूसरे भाई राम जतन यादव का छप्पर व अन्य सामान जला है।लेखपाल का कहना हैं कि नुकसानी का आकलन करने को मौके पर पहुँचकर आग से हुई नुकसानी की रिपोर्ट उपजिलाधिकारी सदर को सौंपी गई हैं।

बदमाशों को कानून का खौफ नहीं : हत्या के दोषियों को पुलिस तत्काल गिरफ्तार करके कड़ी से कड़ी सजा दी जाए –तेज नरायण पाण्डेय

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता) समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने नगर के रानोपाली चौकी क्षेत्र स्थित श्रीराम पुरम कालोनी निवासी महिला अध्यापिका सुप्रिया वर्मा की घर में ही दिनदहाड़े हुई हत्या यह साबित होता है कि बदमाशों को कानून का खौफ नहीं है श्री पांडे ने कहा की हत्या के दोषियों को पुलिस तत्काल गिरफ्तार करके कड़ी से कड़ी सजा दी जाए पीड़ित परिवार को इंसाफ दिया जाए और सरकार उनकी पूरी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए श्री पांडे ने कहा कि इस सरकार में अपराधियों हौसले बुलंद है इनको पुलिस प्रशासन का भी डर नहीं है श्री पांडे ने बताया कि भाजपा सरकार में आम जनता पूरी तरीके से परेशान हैं महंगाई भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।श्री पांडे ने सरकार से मांग की है अपराधियों पर अंकुश लगाया जाए जिससे आम जनता अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें।

भाजपा व सपा समर्थित उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तय

लखनऊ ब्यूरो : राज्यसभा की 11 सीटों के चुनाव में भाजपा, सपा और सपा समर्थित उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच में एकमात्र निर्दलीय उम्मीदवार मौनी फलाहारी बापू का पर्चा खारिज कर दिया गया। बाकी 11 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जांच में सही पाए गए। 3 जून को नाम वापसी की समयसीमा समाप्त होने के बाद शेष बचे सभी उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी। भाजपा के सुरेंद्र नागर, बाबूराम निषाद, मिथिलेश कुमार, संगीता यादव, के. लक्ष्मण, दर्शना सिंह, डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल तथा लक्ष्मीकांत बाजपेयी, सपा के जावेद अली, सपा समर्थित निर्दलीय कपिल सिब्बल और सपा समर्थित रालोद के जयंत चौधरी के राज्यसभा पहुंचने का रास्ता साफ हो गया है।

नई बिजली दरें तय करने की कवायद तेज : वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जनसुनवाई 21 से

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में नई बिजली दरें तय करने की कवायद तेज हो गई है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों पर 21 जून से 24 जून तक जनसुनवाई का फैसला किया है। कोविड–19 संक्रमण के मद्देनजर आयोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जनसुनवाई करेगा। बिजली दरें बढ़ाने या कम करने को लेकर पेंच फंसा हुआ है। बिजली कंपनियों का घाटा एक लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है इसलिए पावर कॉर्पोरेशन दरें बढ़वाने की जुगत में लगा है जबकि राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं की निकल रही देनदारी का हवाला देते हुए दरों में कमी का दबाव बना रखा है। राज्य सरकार का रुख देखकर आयोग दरों के बारे में अंतिम फैसला करेगा। 2022–23 के लिए दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) प्रस्ताव पर 21 जून को दक्षिणांचल एवं पश्चिमांचल वितरण निगम तथा केस्को की सुनवाई होगी। 22 जून को मध्यांचल और पूर्वांचल वितरण निगम की सुनवाई होगी। नोएडा पावर कंपनी की सुनवाई 24 जून को होगी। उसी दिन यूपी पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन की सुनवाई भी की जाएगी। जनसुनवाई के लिए नियामक आयोग की ओर से पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष व सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। दूसरी तरफ राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में कमी कराने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। परिषद जल्द ही एआरआर पर अपनी आपत्तियां और सुझाव आयोग को सौंपेगा। बिजली कंपनियों ने 2022–23 के लिए लगभग 84,526 करोड़ रुपये का एआरआर दाखिल किया है। एआरआर लगभग 6762 करोड़ का घाटा अनुमानित है। एआरआर में वितरण लाइन हानियां 17.5 प्रतिशत प्रस्तावित की गई हैं। एआरआर के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में 1,26,526 मिलियन यूनिट बिजली की खरीद की जाएगी और बिजली कंपनियों द्वारा 1,20,833 मिलियन यूनिट

बिजली आपूर्ति प्रस्तावित है। इस साल 64,294 करोड़ की बिजली खरीद प्रस्तावित की गई है। सरकार की ओर से 14,500 करोड़ राजस्व सब्सिडी दिए जाने की बात कही गई है। बिजली आपूर्ति की लागत 8.43 रुपये प्रति यूनिट प्रस्तावित की गई है। खास बात यह है कि आयोग के निर्देश के बावजूद पावर कॉर्पोरेशन ने टैरिफ प्रस्ताव दाखिल नहीं किया है। अलबत्ता कॉर्पोरेशन बिजली दरों के मौजूदा स्लैब में बदलाव के लिए एक बार फिर आयोग से अनुरोध करने की तैयारी में जुटा है। पावर कॉर्पोरेशन चाहता है कि बिजली कंपनियों के भारी–भरकम घाटे को देखते हुए आयोग बिजली दरों में तर्कसंगत वृद्धि का फैसला करे। फिलहाल जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं उसे देखते हुए माना जा रहा है कि सरकार भी दरें बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उधर, राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि चूंकि बिजली कंपनियों ने टैरिफ प्रस्ताव दाखिल नहीं किया है इसलिए बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं के निकल रहे 22,045 करोड़ रुपये के एवज में दरों में कमी की जानी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी का बूथ सशक्तिकरण अभियान 15 जून से 31 जुलाई तकः आशुतोष टंडन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी के बूथ सशक्तिकरण अभियान की हरदोई लोकसभा कार्यशाला जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन रहे अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने की कार्यशाला में आशुतोष टंडन ने कहा भारतीय जनता पार्टी वास्तविकता में जमीनी स्तर पर कार्य करती है जिसका आधार पार्टी का कार्यकर्ता है राजनीतिक पंडित आश्चर्यचकित रहते हैं कि कैसे भारतीय जनता पार्टी चुनाव दर चुनाव जीत हासिल करती जाती है हमारी जीत का कारण पार्टी और कार्यकर्ता का 365 दिन लगातार बिना थके बिना रुके बूथ स्तर पर कार्य करना है मुख्य वक्ता ने कहा उत्तर प्रदेश के कुल 28 हजार बूथों पर पार्टी को आशा अनुरूप सफलता नहीं मिली इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य इन कमजोर बूथों पर पार्टी को मजबूत करना है। बूथ सशक्तिकरण अभियान 15 जून से प्रारंभ कर 31 जुलाई तक दो चरणों में चलेगा बूथ सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ता द्वारा बूथों की ग्रेडिंग कर बूथ के सामाजिक भौगोलिक स्थिति का आकलन कर पार्टी की स्थिति को और मजबूत करना है इस कार्य के लिए पार्टी ने एक ऐप भी लॉन्च किया है जिसका प्रयोग कर रियल टाइम डाटा अपलोड किया जा सकेगा वर्तमान में मोदी सरकार के सफल 8 वर्षों के पूर्ण होने पर रिपोर्ट टू नेशन बूथ संपर्क अभियान कार्यक्रम चल रहे हैं। 15 जून से मोर्चों के कार्यक्रम के साथ

ही समानांतर रूप से बूथ सशक्तिकरण अभियान भी चलेगा जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यशाला को सदर सांसद जयप्रकाश रावत विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने भी संबोधित किया। कार्यशाला के संयोजक जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह रहे। संचालन जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन ने किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से अनुसूचित मोर्चा क्षेत्रीय महामंत्री पीके वर्मा जिला उपाध्यक्ष एस पी मौर्या श्रवण कनौजिया जिला महामंत्री अनुराग मिश्र सत्येंद्र राजपूत नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक आईटी प्रमुख सौरभ सिंह गौर सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा आजाद भदोरिया अविनाश मिश्रा अभिषेक ठाकुर आदि मौजूद रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।